

रजिस्टर्ड नं० एन०-३३/एस० एम०/१३-१४/९५.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन बूरा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 8 मई, 1995/18 वैशाख, 1917

हिमाचल प्रदेश सरकार

प्रावकारी एवं कराधान विभाग

अधिमूचनाएं

शिमला-२, 24 अप्रैल, 1995

मंध्या ई० एन० एन०-एफ०(११) ३५/७४-३.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, प्रथम नवम्बर, 1966 भे
त्तुरन्त पूर्व हिमाचल प्रदेश के समाविन्द्र क्षेत्रों को यथा लागू और पंजाब पूर्नगंठन अधिनियम, 1966 की धारा-५
के अधीन हिमाचल प्रदेश में जोड़े गए क्षेत्रों में यथा प्रवृत्त पंजाब ग्राम्यारो अधिनियम, 1914 (1914 का १)
को धारा-५६ द्वारा प्रदत्त गणितयों का प्रयोग करते हुए कमांडिंग अफिलर, डोगरा इंजिनियर वार्फन ५६ ए०
पी० ओ० ३०० जो अपना रजत जयन्ती ममारोह दिनांक ९-५-१९९५ से १२-५-१९९५ तक मना रहे हैं, में प्रयोग
होने वाली गदिश पर से ग्राम्यारो शुल्क जथा असस्त कीस जो मु० ३३०००/- रुपये बनती है, पर में छूट प्रदान
करने के सहर्षे अदेश देते हैं।

शिमला-2, 27 अप्रैल, 1995

संख्या ई0एक्स0 एन0एफ (11) 35/74-3.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, प्रथम नवम्बर, 1966 से तुरन्त पूर्व हिमाचल प्रदेश के समाविष्ट क्षेत्रों को यथा लागू और पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 की धारा-5 के अधीन हिमाचल प्रदेश में जोड़े गये क्षेत्रों में यथा प्रवृत्त पंजाब आबकारी अधिनियम, 1914 (1914 ए 1) को धारा-56 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऑफिसर, कमांडिंग, मिलिट्री पुलिस यूनिट, एच0 क्यू0 सी00 ई0 दीपक मार्फत 56 ए0 पी0 ओ0 जो अपना स्थापना दिवस 5 व 6 मई, 1995 के मनाने जा रहे हैं, में प्रयोग होने वाली मिरा पर से आबकारी शुल्क तथा असैड फोस जो मु0 2650/- रुपये बनती है, पर से छूट प्रदान करने के सहर्ष श्रादेश देते हैं।

आदेश द्वारा;

हस्ताक्षरित/-
अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं सचिव।